एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत)
प्रश्न पत्र कूट संख्या 304 वर्ग ब (दर्शन)
प्रश्न पत्र – IV सांख्य दर्शन

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

सांख्य तत्त्व कौमुदी – वाचस्पति मिश्र

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पाँच इकाइयों में तथा तीन खण्डों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ –

प्रथम इकाई – सांख्य तत्त्व कौमुदी (1 से 21 कारिका)
द्वितीय इकाई – सांख्य तत्त्व कौमुदी (22से 45 कारिका)
तृतीय इकाई – सांख्य तत्त्व कौमुदी (46से 72 कारिका)
चतुर्थ इकाई – त्रिविध दुःख , तापत्रय , गुणत्रय , व्यक्त ,–अव्यक्त एवं ज्ञ स्वरूप , प्रत्यक्षबाधक , दृष्ट
/आनुश्रविक उपाय विवेचन ।
पंचम इकाई – सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य । सांख्य तत्त्व कौमुदी परिचय एवं सार ,सृष्टि
प्रक्रिया (क्रम) प्रत्यय सर्ग (बौद्धिक सृष्टि) ,त्रिविध प्रमाण , प्रकृति –पुरूष , साम्य –वैषम्य ,
प्रकृति स्वरूप , अथवा पुरूष स्वरूप निरूपण ।

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन – **10 अंक**

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए7– 7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) सांख्य तत्त्व कौमुदी की 1 –21 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ख) सांख्य तत्त्व कौमुदी की 22–45 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी **7 अंक**

(ग) सांख्य तत्त्व कौमुदी की 46–72 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की **संस्कृत व्याख्या** विकल्प सहित पूछी जायेगी **7 अंक**

(घ) दुःखत्रय, /तापत्रय , गुणत्रय /त्रिविध गुण ,व्यक्त –अव्यक्त –ज्ञ स्वरूप , प्रत्यक्ष बाधक /इन्द्रिय
प्रत्यक्ष के बाधक कारण , दृष्ट /आनुश्रविक उपायों का स्वरूप अथवा दोष विवेचना आदि मे से

एक प्रश्न विकल्प सहित पूछा जायेगा । **7 अंक**

(ड.) सांख्य सम्मत सृष्टि प्रक्रिया , पच्चीस तत्त्व निरूपण , प्रत्यय सर्ग , त्रिविध प्रमाण , प्रकृति अथवा पुरूष

स्वरूप , प्रकृति –पुरूष , साम्य –वैषम्य आदि विषयों में से एक प्रश्न विकल्प सहित पूछा जायेगा ।

7 अंक

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
सत्कार्यवाद, प्रमाण विवेचन , पुरूष बहुत्व / अनेकत्व , सूक्ष्मशरीर , कैवल्य , बुद्धि के प्रकार / ऐश्वर्य , बुद्धि के 50 भेद , प्रकृति– पुरूष सम्बन्ध

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य । सांख्यतत्त्व कौमुदी परिचय एवं सार

सहायक पुस्तके :–

(1) सांख्यतत्त्वकौमुदी – वाचस्पति मिश्र

(2) भारतीय दर्शन – दत्ता एण्ड चटर्जी

(3) भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय